माता सविंदर कृपानिधान

तर्ज: तेरा मेरा प्यार अमर (बरसा दाता सुख बरसा, आँगन आँगन सुख बरसा)

माता सविंदर कृपानिधान

समर्पित जीवन तेरा महान

करूणा की मूरत भक्ती की शान

समर्पित जीवन तेरा महान (धु)

पुज्यनिय तू सदा, ममतामयी हे पुज्य मां

त्रिवेणी मे तू बसी, करने सुखी सारा जहां

दिन रात किया जगत कल्याण

समर्पित जीवन तेरा महान (१)

कैसे चले गुरूवचनो पे,

तुमने हमे दिखा दिया

कर्म किये बिन बोले ही, गुरूसिख का फर्ज सिखा दिया

विश्वास सतगुरू पे नित ध्यान

समर्पित जीवन तेरा महान... (२)

आंचल की छाया दी हमे,

किया सबका उध्दार है

प्रकाशीत कर दी राहें ये,

तु ही वो रोशन मिनार है

दिया प्रेम सबको सब तेरी संतान

समर्पित जीवन तेरा महान (३)

सत्य स्नेह समर्पण की,

बात जब भी आयेगी

याद करके तुझको मां

दुनिया तेरे गुण गायेगी

राजेश करता ये महिमा बखान

समर्पित जीवन तेरा महान (४)